

‘अंगदान-महादान’संदेश लखी पतंगों का वमिचन

चर्चा में क्यों?

13 जनवरी, 2022 को राजस्थान के परविहन एवं सड़क सुरक्षा वभिग आयुक्त महेंद्र सोनी ने ‘अंगदान-महादान’संदेश लखी पतंगों का वमिचन कथि।

प्रमुख बदि

- अंगदान जागरूकता का संदेश देती ये पतंगें मोहन फाउंडेशन, जयपुर सर्टिजन फोरम द्वारा तैयार की गई हैं। ये पतंगें मकर संक्रांतपिर्व पर आसमां में चढ़ने के साथ-साथ लोगों को जागरूक भी करेगी।
- महेंद्र सोनी ने कहा कि ड्राइवगि लाइसेंस के ज़रयि अंगदान की सहमति देने वालों के लाइसेंस पर ‘हार्ट का साइन’ और ‘ऑर्गन डोनर’ अंकति कथि जाता है। इससे मृत्यु उपरांत परजिनों की सहमतिसे अंगदान की प्रक्रयि आसान हो जाती है।
- प्रदेशवासी ड्राइवगि लाइसेंस के साथ-साथ अन्य माध्यमों के जरयि भी अंगदान करने की सहमति प्रदान कर अपने जीवन को अनमोल बनाएँ।
- इस अवसर पर मोहन फाउंडेशन, जयपुर सर्टिजन फोरम की संयोजकि भावना जगवानी ने कहा कि एक व्यक्त के अंगदान से कई जदिगयिां बचाई जा सकती हैं। हर व्यक्त को अंगदान जागरूकता के अभयिान में जुड़कर मानवीय ज़मिमेदारी नभिानी चाहयि।
- उल्लेखनीय है कि परविहन एवं सड़क सुरक्षा वभिग द्वारा ड्राइवगि लाइसेंस के ज़रयि अंगदान की सहमति देने की पहल के तहत 1 सतिंबर, 2020 से लेकर 12 जनवरी, 2022 तक 2.25 लाख से अधिक स्थाई लाइसेंसधारयिों द्वारा अंगदान की सहमति दी जा चुकी है।